Delhi Public School, Howrah

PERIODIC ASSESSMENT-II (2025-2026)

Class-X

Care must be taken not to write anything on the question paper. All the questions must be attempted in the correct sequence.

विषय : हिंदी - अ, (002)

अवधिः 3 घंटे **पूर्णांक = 80**

सामान्य निर्देश :-

I. इस प्रश्नपत्र के चार खंड हैं - क, ख, ग और घ ।

II.चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

III. लेखन कार्य में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखिए ।

खंड- 'क' अपठित बोध **14 अंक**

1. **निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-** **7**

उपवास और संयम ये आत्महत्या के साधन नहीं हैं। भोजन का असली स्वाद उसी को मिलता है जो कुछ दिन बिना खाए भी रह सकता है। 'त्यक्तेन भुंजीथाः' जीवन का भोग त्याग के साथ करो, यह केवल परमार्थ का ही उपदेश नहीं है, क्योंकि संयम से भोग करने पर जीवन में जो आनंद प्राप्त होता है, वह निरा भोगी बनकर भोगने से नहीं मिल पाता। जिंदगी की दो सूरतें हैं। एक तो यह कि आदमी बड़े-से-बड़े मकसद के लिए कोशिश करे, जगमगाती हुई जीत पर पंजा डालने के लिए हाथ बढ़ाए, और अगर असफलताएँ कदम-कदम पर जोश की रोशनी के साथ अंधियाली का जाल बुन रही हों, तब भी वह पीछे को पाँव न हटाए। दूसरी सूरत यह है कि उन गरीब आत्माओं का हमजोली बन जाए जो न तो बहुत अधिक सुख पाती हैं और न जिन्हें बहुत अधिक दुःख पाने का ही संयोग है, क्योंकि वे आत्माएँ ऐसी गोधूलि में बसती हैं जहाँ न तो जीत हँसती है और न कभी हार के रोने की आवाज़ सुनाई पड़ती है। इस गोधूलि वाली दुनिया के लोग बँधे हुए घाट का पानी पीते हैं, वे जिंदगी के साथ जुआ नहीं खेल सकते और कौन कहता है कि पूरी जिंदगी को दाँव पर लगा देने में कोई आनंद नहीं है ?

जनमत की उपेक्षा करके जीने वाला आदमी दुनिया की असली ताक़त होता है और मनुष्यता को प्रकाश भी उसी आदमी से मिलता है। जिंदगी से, अंत में, हम उतना ही पाते हैं जितनी कि उसमें पूँजी लगाते हैं। यह पूँजी लगाना जिंदगी के संकटों का सामना करना है, उसके उस पन्ने को उलट कर पढ़ना है जिसके सभी अक्षर फूलों से ही नहीं, कुछ अंगारों से भी लिखे गए हैं। जिंदगी का भेद कुछ उसे ही मालूम है जो यह जानकर चलता है कि जिंदगी कभी भी खत्म न होने वाली चीज़ है। अरे! ओ जीवन के साधको ! अगर किनारे की मरी सीपियों से ही तुम्हें संतोष हो जाए तो समुद्र के अंतराल में छिपे हुए मौक्तिक-कोष को कौन बाहर लाएगा ?

दुनिया में जितने भी मज़े बिखेरे गए हैं उनमें तुम्हारा भी हिस्सा है। वह चीज़ भी तुम्हारी हो सकती है जिसे तुम अपनी पहुँच के परे मान कर लौटे जा रहे हो। कामना का अँचल छोटा मत करो, जिंदगी के फल को दोनों हाथों से दबाकर निचोड़ो, रस की निर्झरी तुम्हारे बहाए भी बह सकती है।

सोपान I. बहुविकल्पीय प्रश्न **3X1=3**

I. 'त्यक्तेन भुंजीथाः' कथन से लेखक के व्यक्तित्व की किस विशेषता का बोध होता है ?

(क) परिवर्जन (ख) परिवर्तन

(ग) परावर्तन (घ) प्रत्यावर्तन

II. मंज़िल पर पहुँचने का सच्चा आनंद उसे मिलता है, जिसने उसे-

(क) आन की आन में प्राप्त कर लिया हो (ख) पाने के लिए भरसक प्रयास किया हो

(ग) हाथ बढ़ा कर मुट्ठी में कर लिया हो (घ) सच्चाई से अपने सपनों में बसा लिया हो

III. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए -

कथन (I) प्रत्येक परिस्थिति का सामना करने के लिए सदैव तैयार रहना चाहिए।

कथन (II) मनुष्य अपने दृढ़ मंतव्य व कठिन परिश्रम से सर्वोच्च प्राप्ति की ओर अग्रसर रहता है।

कथन (III) विपत्ति सदैव समर्थ के समक्ष ही आती है, जिससे वह पार उतर सके।

कथन (IV) विपत्ति मनुष्य को कमज़ोर कर देती है।

गद्यांश के अनुसार कौन-सा/से कथन सही है/हैं ?

(क) केवल I (ख) केवल II

(ग) I और II (घ) II और III

सोपान II. लघुत्तरात्मक प्रश्न **2X2=4**

IV. जीवन में असफलताएँ मिलने पर भी साहसी मनुष्य क्या करता है ?

V. आप कैसे पहचानेंगे कि कोई व्यक्ति साहस की जिंदगी जी रहा है ?

2. निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए- **7**

तूफ़ानों की ओर घुमा दो
नाविक निज पतवार
आज सिंधु ने विष उगला है
लहरों का यौवन मचला है
आज हृदय में और सिंधु में
साथ उठा है ज़्वार।
यह असीम निज सीमा जाने
सागर भी तो यह पहचाने
मिट्टी के पुतले मानव ने
कभी न मानी हार।
लहरों के स्वर में कुछ बोलो

इस अंधड़, में साहस तोलो
कभी-कभी मिलता जीवन में
तूफ़ानों का प्यार।
सागर की अपनी क्षमता है।
पर नाविक भी कब थकता है।
जब तक साँसों में स्पंदन है।
उसका हाथ नहीं रुकता है।
इसके ही बल पर कर डाले सातों सागर पार
तूफ़ानों की और घुमा दो नाविक निज पतवार ।

<u>सोपान I. बहुविकल्पीय प्रश्न</u> **3X1=3**

I. कवि नाविक से क्या अनुरोध कर रहा है ?

निम्नलिखित विकल्पों पर विचार कीजिए तथा सही विकल्प चुनकर लिखिए-

कथन (I) अकेला न जाए
कथन (II) समुद्र के भँवरों से दूर रहे
कथन (III) कठिनाइयों में डटा रहे
कथन (IV) अपनी सीमा पहचाने

विकल्प

(क) केवल कथन (I) सही है।
(ख) केवल कथन (II) सही है।
(ग) केवल कथन (III) सही है।
(घ) केवल कथन (1) और (IV) सही हैं।

II. कभी-कभी मिलता जीवन में तूफ़ानों का प्यार' का भाव है-

(क) चुनौतियों का सामना करने के अवसर कम मिलते हैं।
(ख) प्रेयसी का प्रेम मुसीबत में ही मिलता है।
(ग) तूफ़ानों में ही सगे-संबंधियों की पहचान होती है।
(घ) जीवन में कभी-कभी मुसीबतें आती हैं।

III. कॉलम 1 को कॉलम 2 से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए।

कॉलम 1	**कॉलम 2**
I. स्पंदन	**1.** सागर की
II. अपनी क्षमता	**2.** लहरों के अपने स्वर में
III. कुछ बोली	**3.** साँसों में

(क) I-(2), II-(1), III-(3)
(ख) I-(1), II-(3), III-(2)
(ग) I-(1), II-(2), III-(3)
(घ) I-(3), II-(1), III-(2)

<u>सोपान II. लघूत्तरात्मक प्रश्न-</u> **2X2=4**

V. कवि ने नाविक से अपनी पतवार किस तरफ़ घुमाने को कहा और क्यों ?

VI. नाविक किसका प्रतीक है ?

3. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **4X1=4**

I. मेरे समझाने पर वह मान गई। **(संयुक्त वाक्य में बदलिए)**

II. उस लड़की को बुलाओ, जो अखबार पढ़ रही है। **(सरल वाक्य में बदलिए)**

III. ऊँचा पद पाकर वह और भी विनम्र हो गया। **(मिश्र वाक्य में बदलिए)**

IV. वह चौराहे पर खड़ा होकर उसकी प्रतीक्षा करने लगा। **(संयुक्त वाक्य में बदलिए)**

V. जो महिला अधिवेशन को संबोधित करने के लिए उठी, वह बहुत सुंदर थी। **(सरल वाक्य में बदलिए)**

4. निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं <u>चार</u> प्रश्नों के उत्तर दीजिए- 4X1=4

I. किसी के द्वारा दरवाजा खटखटाया जा रहा है। **(कर्तृवाच्य में बदलिए)**

II. तुम टहल ही नहीं सकते हो। **(भाववाच्य में बदलिए)**

III. अनेक श्रोताओं ने कविता की प्रशंसा की। **(कर्मवाच्य में बदलिए)**

IV. परीक्षा के बारे में अध्यापक द्वारा क्या कहा गया? **(कर्तृवाच्य में बदलिए)**

V. हम इतनी गर्मी में नहीं रह सकते। **(भाववाच्य में बदलिए)**

5. निर्देशानुसार 'पद परिचय' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं <u>चार</u> प्रश्नों के रेखांकित भाग का पद परिचय लिखिए- **(4X1=4)**

I. 'शर्माजी उसकी बातें सुनकर <u>ठहाके मारकर</u> हँसने लगे।'

II. '<u>मनुष्य</u> के जीवन में आस-पड़ोस का बहुत महत्व होता है।

III. <u>लेखिका</u> के व्यक्तित्व पर उनकी बहनों का बड़ा असर पड़ा।

IV.'भानपुरा से <u>मेरी</u> यादों का सिलसिला शुरू होता है।'

V. '<u>मैं</u> भी वहाँ रुककर उन्हें सुनना चाहती थी।'

6. निम्नलिखित 'अलंकार' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं <u>चार</u> प्रश्नों के काव्य पंक्तियों में अलंकार को पहचान कर उत्तर दीजिए- **(4X1=4)**

I.'उसी तपस्वी से लम्बे थे
देवदारु दो चार खड़े।।'

II.'बन्द नहीं, अब भी चलते हैं
नियति-नटी के कार्य कलाप।।'

III."लम्बा होता ताड़ का वृक्ष जाता,
मानो छूना व्योम को चाहता है।।"

IV."पत्रा ही तिथि पाइये वा घर के चहूँ पास।
नित प्रति पुण्यो ही रहत आनन ओप उजास।।"

V."दिवसावसान का समय मेघमय आसमान से
उतर रही है वह सन्ध्या सुन्दरी परी सी धीरे-धीरे।"

7. निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए- **(5X1=5)**

कार्तिक आया नहीं कि बालगोबिन भगत की प्रभातियाँ शुरू हुईं, जो फागुन तक चला करतीं। इन दिनों वह सबेरे ही उठते। न जाने किस वक्त जगकर वह नदी स्नान को जाते-गाँव से दो मील दूर । वहाँ से नहा-धोकर लौटते और गाँव के बाहर ही, पोखरे के ऊँचे भिंडे पर, अपनी खंजड़ी लेकर जा बैठते और अपने गाने टेरने लगते। मैं शुरू से ही देर तक सोनेवाला हूँ, किंतु, एक दिन, माघ की उस दाँत किटकिटानेवाली भोर में भी, उनका संगीत मुझे पोखरे पर ले गया था । अभी आसमान के तारों के दीपक बुझे नहीं थे। हाँ, पूरब में लोही लग गई थी जिसकी लालिमा को शुक्र तारा और बढ़ा रहा था। खेत, बगीचा, घर-सब पर कुहासा छा रहा था। सारा वातावरण अजीब रहस्य से आवृत्त मालूम पड़ता था। उस रहस्यमय वातावरण में एक कुश की चटाई पर पूरब मुँह, काली कमली ओढ़े, बालगोबिन भगत अपनी खँजड़ी लिए बैठे थे। उनके मुँह से शब्दों का ताँता लगा था। उनकी अँगुलियाँ खंजड़ी पर लगातार चल रही थीं। गाते-गाते इतने मस्त हो जाते, इतने सुरूर में आते, उत्तेजित हो उठते कि मालूम होता, अब खड़े हो जाएँगे। कमली तो बार-बार सिर से नीचे सरक जाती। मैं जाड़े से कँपकँपा रहा था। किंतु तारे की छाँव में भी उनके मस्तक के श्रमबिंदु, जब-तब, चमक ही पड़ते ।

I. गद्यांश में 'लोही लग गई थी' का क्या आशय है?

(क) आकाश में तारे टूट रहे थे (ख) सूरज पूरी तरह निकल आया था

(ग) खेतों में धुंध छा रही थी (घ) पूरब का आकाश लालिमा से रंग गया था

II. 'उनके मुँह से शब्दों का ताँता लगा था।'- का आशय है :

(क) वह लगातार प्रवचन दिए जा रहे थे । (ख) वह एक के बाद एक गीत गाए जा रहे थे।

(ग) वह लगातार लोगों को आशीर्वचन दे रहे थे। (घ) वह किसी से लगातार बातें किए जा रहे थे।

III. गद्यांश में 'काली कमली' का प्रयोग किस रूप में हुआ है?

(क) सौंदर्य का प्रतीक (ख) ऋतु परिवर्तन का संकेत

(ग) साधु-संन्यास की पहचान (घ) गाँव की परंपरा

IV. बालगोबिन की प्रभातियाँ कब तक चला करती थीं ?

(क) फाल्गुन से कार्तिक तक (ख) कार्तिक से फाल्गुन तक

(ग) फाल्गुन से आषाढ़ तक (घ) कार्तिक से चैत्र तक

V. भगत गाँव के बाहर पोखरे के ऊँचे भिंडे पर क्यों गाया करते थे ?

(क) गाँव में अधिक शोर की मनाही थी। (ख) ताकि गाँववाले को परेशानी न हो ।

(ग) उन्हें उस स्थान पर रोज़ गाने की आदत थी । (घ) शांत और प्राकृतिक वातावरण के कारण ।

8. निम्नलिखित पठित पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए- **(5X1=5)**

नाथ संभुधनु भंजनिहारा। होइहि केउ एक दास तुम्हारा ।।
आयेसु काह कहिअ किन मोही। सुनि रिसाइ बोले मुनि कोही ।।
सेवकु सो जो करै सेवकाई। अरिकरनी करि करिअ लराई ।।
सुनहु राम जेहि सिवधनु तोरा। सहसबाहु सम सो रिपु मोरा ।।
सो बिलगाउ बिहाइ समाजा। न त मारे जैहहिं सब राजा ।।
सुनि मुनि बचन लखन मुसुकाने । बोले परसुधरहि अवमाने ।।
बहु धनुही तोरी लरिकाई। कबहुँ न असि रिस कीन्हि गोसाईं ।।
येहि धनु पर ममता केहि हेतू । सुनि रिसाइ कह भृगुकुलकेतू ।।

I. राम ने स्वयं को परशुराम का सेवक क्यों बताया ?

(क) वे परशुराम का क्रोध शांत करना चाहते थे। (ख) वे परशुराम के क्रोध से डर गए थे।
(ग) वे उनसे उम्र में बहुत ही छोटे थे । (घ) वे व्यंग्य में उनसे ऐसा कह रहे थे।

II. परशुराम के क्रोध का क्या कारण था ?

(क) सभा में उन्हें न बुलाया जाना। (ख) उनके गुरु शिव का धनुष टूटना ।
(ग) लक्ष्मण की धृष्टता से भरी बातें। (घ) राम की अभिमान से भरी बातें ।

III. लक्ष्मण ने शिवधनुष की तुलना अन्य धनुषों से क्यों की ?

(क) परशुराम का क्रोध शांत करने के लिए ।
(ख) परशुराम का क्रोध और भड़काने के लिए।
(ग) परशुराम के प्रति अपने व्यंग्यात्मक लहजे के कारण ।
(घ) शिवधनुष का अन्य धनुषों के जैसा होने के कारण।

IV. परशुराम की बातें सुनकर लक्ष्मण मुसकुराने क्यों लगे ?

(क) स्वयं पर नियंत्रण न रखने के कारण
(ख) परशुराम के क्रोध को गंभीरता से न लेने के कारण
(ग) परशुराम के क्रोध को भड़काने के लिए
(घ) परशुराम के आत्मप्रशंसात्मक वचनों को सुनकर

V. परशुराम ने राम के विनम्र वचनों का उत्तर कैसे दिया ?

(क) विनम्रतापूर्वक (ख) क्रोधपूर्वक
(ग) शांतिपूर्वक (घ) तटस्थ भाव

9. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं <u>तीन</u> प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए- **3X2=6**

(क) 'नेता जी की मूर्ति पर लगा सरकंडे का चश्मा, केवल चश्मा न होकर हमारी नई पीढ़ी के मनों में बैठी देशभक्ति का प्रमाण था।' 'नेताजी का चश्मा' पाठ के आलोक में इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'ये हैं नई कहानी के लेखक।' लेखक यशपाल ने यह कथन किसके लिए कहा और क्यों?

(ग) आपकी दृष्टि में बालगोबिन भगत की कबीर पर अगाध श्रद्धा के क्या कारण रहे होंगे?

(घ) मन्नू भंडारी ने 'पड़ोस कल्चर' की बात कहीं है। पड़ोस कल्चर की दो विशेषताएँ लिखिए।

10.पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं <u>तीन</u> प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए- 3X2=6

(क) सूरदास के पदों के आधार पर गोपियों का योग साधना के प्रति दृष्टिकोण स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'अट नहीं रही है' कविता के आधार पर अपने शब्दों में बताइए कि फागुन में ऐसा क्या होता है, जो बाकी ऋतुओं से अलग होता है?

(ग) 'अयमय खाँड़ न ऊखमय' पंक्ति में विश्वामित्र जी क्या सोच रहे हैं ? राम-लक्ष्मण परशुराम संवाद' के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(घ) 'आत्मकथ्य' या अपनी बात कहने से प्रायः विद्वान लोग किस कारण बचना चाहते हैं। क्या प्रसाद कवि भी इसी कारण टाल देते हैं?

11. पूरक पाठ्य-पुस्तक के पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं <u>दो</u> के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए- 2X4=8

(क) यात्रा-वृत्तांत "साना-साना हाथ जोड़ी" हमें प्रकृति और मानव जीवन के बारे में क्या संदेश देता है?

(ख) 'माता का आँचल' पाठ में बच्चों की जो दुनिया रची गई है, वह आपके बचपन की दुनिया से किस तरह भिन्न है ?

(ग) 'कितना कम लेकर ये समाज को कितना अधिक वापिस लौटा देती हैं।' यह विचार लेखिका ने किसके विषय में व्यक्त किया है? अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए।

खंड- 'घ' रचनात्मक लेखन 20 अंक

---

12. निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी <u>एक</u> विषय पर लगभग 120 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए- 6

(क) मानवता सर्वश्रेष्ठ धर्म

संकेत बिन्दु - • भौतिकवादी युग • बढ़ता स्वार्थ • प्रकृति से सीख • देने से घटता नहीं, बढ़ता है दूसरों के लिए जीना ही मनुष्यता • जीवन की सार्थकता परोपकार में ही निहित

(ख) अंधविश्वास: भारतीय समाज का कोढ़

संकेत बिंदु - • मुख्य कारण शिक्षा की कमी • सही जानकारी का अभाव तथा धर्म का प्रभाव आदि • वैज्ञानिक दृष्टिकोण का अपनाना • शिक्षा का व्यापक प्रचार-प्रसार

(ग) भारत में पर्यटन

संकेत बिंदु - • भूमिका • प्रमुख पर्यटन स्थल • पर्यटन का महत्त्व

13. आप तेजस्वी / तेजस्विनी हैं। आप बस द्वारा यात्रा कर रहे थे। इस दौरान आपके शैक्षिक प्रमाणपत्रों का बैग बस में ही छूट गया था। बस में छूटे सामान का पता लगाने के लिए परिवहन निगम के मुख्य प्रबंधक को लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए। **5**

<u>अथवा</u>

आपके मित्र ने राष्ट्रस्तरीय अंतर्विद्यालयी एथलेटिक्स प्रतियोगिता में 3000 मीटर तथा 5000 मीटर की दौड़ में स्वर्ण पदक प्राप्त किया है। उसे बधाई देते हुए लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए।

14. आप करुणा/करण हैं। आप बी.एड. कर चुके हैं। आपको सर्वोदय कन्या महाविद्यालय, अ.ब.स. नगर में अध्यापिका/अध्यापक पद के लिए आवेदन करना है। इसके लिए आप अपना एक संक्षिप्त स्ववृत्त लगभग 80 शब्दों में तैयार कीजिए। **5**

अथवा

आपका नाम अनामिका/अमित है। आपने अपना खराब लैपटॉप ठीक होने के लिए दिया, पर एक सप्ताह बीत जाने पर वापिस नहीं मिला। उसे जल्दी प्राप्त करने के लिए कंपनी के मैनेजर को ई-मेल लगभग 80 शब्दों में लिखिए।

15. रेलवे की सुरक्षा-नियमों का पालन करने का अनुरोध करते हुए लोगों को जागरूक करने के लिए लगभग 60 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए । **4**

अथवा

आप सोनी/सोनू हैं। दशहरा की शुभकामनाएँ देते हुए अपनी मित्र को लगभग 60 शब्दों में संदेश लिखिए।